nwda.gov.in

केन-बेतवा लिंक परियोजना • 44 हजार 605 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत

बुंदेलखंड के लिए विकास का नया सूर्योदय पेयजल और सिंचाई व्यवस्था होगी सुदृढ़

4.51 लाख हेक्टर, बेतवा कछार के विदिशा, रायसेन, सागर, शिवपुरी, दतिया को मिलेगा भरपूर पेयजल।

2.51 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई तथा पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी ।

2.06 लाख हेक्टेयर तथा उत्तर प्रदेश के बुंदेलखण्ड क्षेत्र के बांदा, महोबा व झांसी जिलों में पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

केन-बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है, जिसमें केन नदी पर बांध एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना है। पड़ोसी राज्य यूपी के साथ वैधानिक प्रक्रियाओं पर चर्चा के लिए राज्य की शिवराज सरकार ने बेहद संवेदनशीलता दिखाई है। इसी का परिणाम रहा कि अब यह परियोजना मूर्तरूप लेने जा रही है। केन नदी मध्यप्रदेश के कटनी जिले से प्रारंभ होकर उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में यमुना नदी में मिलकर समाप्त होती है। केन नदी के कुल जल ग्रहण क्षेत्र 28058 वर्ग कि.मी. का 87 प्रतिशत हिस्सा मध्यप्रदेश में और 13 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश में है । इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा कछार में बीना कॉम्प्लेक्स, कोठा बैराज तथा लोअर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना सम्मिलित है।

परियोजना से मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी एवं दमोह जिलों में माइक्रो इरीगेशन से केन कछार में 4.51 लाख हेक्टर, बेतवा कछार के विदिशा, रायसेन, सागर, शिवपुरी एवं दतिया जिलों में 2.06 लाख हेक्टेयर तथा उत्तर प्रदेश के बुंदेलखण्ड क्षेत्र के बांदा, महोबा और झांसी जिलों में 2.51 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई तथा पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी । परियोजना से उत्पन्न होने वाली 103 मेगावॉट बिजली पर पूरा अधिकार मध्यप्रदेश का रहेगा। इस परियोजना के द्वारा कुल 9.08 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई तथा लगभग 62 लाख (मध्यप्रदेश 41 लाख, उत्तरप्रदेश 21 लाख) आबादी के लिए पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी । पेयजल हेतु केन एवं बेतवा कछार में कुल 127 MCM जल का प्रावधान रखा गया है। योजना से म.प्र. राज्य में वार्षिक सिंचाई 8.11 लाख हेक्टेयर में की जायेगी ।

बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थित केन-बेतवा लिंक परियोजना का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने हेतु मध्यप्रदेश शासन, उत्तर प्रदेश शासन एवं भारत सरकार के मध्य एक त्रिपक्षीय मेमोरंडम ऑफ अंडरस्टेडिंग हस्ताक्षरित किया गया। वर्ष 2009 में इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया एवं इसके वित्त पोषण हेतु 90:10 अनुपात में केन्द्र एवं संबंधित राज्य सरकारों के मध्य आधार निश्चित किया गया। राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण द्वारा केन बेतवा लिंक परियोजना के प्रथम चरण की डी.पी. आर. अप्रैल, 2010 में तैयार की गई, जिसके अंतर्गत केन नदी पर छतरपुर / पन्ना जिले में दौधन बांध, दो पावर हाउस, दो टनल एवं 218.6 कि.मी. लंबी लिंक नहर का निर्माण शामिल है। दौधन बांध की प्रस्तावित जीवित जल क्षमता 2684 MCM है। वर्ष 2015-16 के मूल्य आधार पर परियोजना की केन्द्रीय जल आयोग द्वारा केन कछार में प्रस्तावित दौधन बांध एवं नहरों आदि की लागत रु.18057.08 करोड़ आंकलित की गई है। परियोजना की लागत रु.18057.08 करोड़ स्वीकार करते हुये जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय द्वारा निवेश हेतु स्वीकृति प्रदान की है।

पहले चरण में सभी वैधानिक अनुमतियां स्वीकृत

केन-बेतवा लिंक परियोजना, प्रथम चरण की सभी तकनीकी एवं वैधानिक स्वीकृतियाँ जैसे केन्द्रीय जल आयोग और जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार से तकनीकी एवं वित्तीय स्वीकृति, पर्यावर्णीय स्वीकृति, वन्य जीव (Wild life) स्वीकृति, वन प्रकरण की स्वीकृति (Stage-1), जन जातीय परिवारों के लिये पुनःस्थापन एवं पुनर्वास की स्वीकृति प्राप्त की जा चुकी।